वर्तमान और भावी पीढ़ी को गौरवशाली अतीत से जोड़ना जरूरीः डॉ. यादव

■ भोपाल के प्रमुख प्रवेश मार्गों पर बनेंगे 9 द्वार ■ मुख्यमंत्री ने नर्मदापुरम मार्ग पर भोज-नर्मदा द्वार का किया भूमि पूजन

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान और भावी पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ना और उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक चेतना को जानने का सजीव अवसर प्रदान करना आवश्यक है। प्रदेश के नगरों के मुख्य प्रवेश मार्गों पर महापुरूषों की स्मृति में बन रहे सांस्कृतिक द्वार इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएंगे।

गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी के उज्जवल भविष्य निर्माण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। राजा भोज सहित अन्य महापुरूषों के गौरवशाली इतिहास को पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजधानी में नर्मदापुरम मार्ग पर समरधा में निर्मित होने वाले भोज-नर्मदा द्वार के भूमि-पूजन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित 10 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का इस कार्यक्रम से वर्च्युअल लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, खेल युवक कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा और विधायक भगवान दास सबनानी उपस्थित थे। डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल प्रदेश की राजधानी है। यहां प्रदेश के विभिन्न अंचलों की संस्कृति और इतिहास को अभिव्यक्ती प्रदान की जाएगी। भोपाल के प्रमुख प्रवेश मार्गों पर निर्मित होने वाले 9 द्वारों पर माँ नर्मदा के तट पर विद्यमान प्रमुख तीर्थों सहित सभी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक संदर्भ उकेरे जाएंगे। उज्जैन में निर्मित महामृत्युंजय द्वार, विभिन्न काल में उज्जैन के इतिहास और प्रमुख घटनाओं को अभिव्यक्त करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भोज की प्रतिभा, योग्यता और पराक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. यादव ने कहा कि पाकिस्तान के विरूद्ध ऑपरेशन सिंदूर में भारत की जीत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व क्षमता और भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहन कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विश्व के सामने ऑपरेशन सिंदूर में आंतकियों के विरूद्ध की गई कार्रवाई को सशक्त रूप से प्रस्तुत कर नारी शक्ति के सामर्थ्य का प्रकटीकरण किया है।

हम आत्मनिर्भर नगर निगम व नगर पालिका के सपने को साकार करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं: विजयवर्गीय

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेतृत्व में हम आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ-साथ आत्मनिर्भर नगर निगम व नगर पालिका के सपने को साकार करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। भोपाल नगर निगम द्वार नीमच में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना, आत्मनिर्भता की ओर एक प्रभावी कदम है। महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि 5 करोड़ रुपए की लागत से भोज-नर्मदा द्वार का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित किए जा रहे सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग भोपाल की जल प्रदाय व्यवस्था के संचालन में किया जाएगा। कार्यक्रम को विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी संबोधित किया।

भोपाल में डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण

पत्रकारों का तीर्थस्थल है माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालयः विजयवर्गीय

भोपाल(काप्र)।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि किसी शहर के संग्रहालय और शिक्षण संस्थान धरोहर के समान हैं इनका समृद्ध होना समाज के गौरव को बढ़ाता है। उन्होंने माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय के गौरवशाली इतिहास की प्रशंसा की।

श्री विजयवर्गीय ने कहा कि आधुनिक युग में नौजवान पीढ़ी के लिये डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा बहुत उपयोगी रहेगी। श्री विजयवर्गीय रविवार को भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के मौके पर डिजिटल लाइब्रेरी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में संग्रहालय की स्थापना से लेकर अब तक के सफर में सहयोग करने वाली संस्थाओं और हस्तियों का सम्मान किया गया।

श्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। उनके इस संकल्प को शैक्षणिक संस्थानों को समृद्ध करके पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सप्रे संग्रहालय की शुरूआत एक छोटे स्वरूप में हुई थी। लगभग पिछले 4 दशकों में इस संस्थान ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर ली है। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री सुरेश पचौरी ने अपने उदबोधन में कहा कि विजयदत्त श्रीधर ने अपनी लगन से भोपाल शहर को एक अमूल्य धरोहर दी है, जिसका लाभ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को निरंतर मिलता रहेगा। श्री पचौरी ने भारतीय स्टेट बैंक के सीएसआर फंड से दी जाने वाली मदद को सराहनीय बताया।

श्री श्रीधर ने बताया कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान पुस्तकालय सेवा के 3 प्रारूप में कार्यरत है। पत्रकार एवं पाठक वर्ष 1984 से इसका लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक की सामाजिक सेवा बैंकिंग के अंतर्गत सीएसआर मद से उपलब्ध धन राशि से सप्रे संग्रहालय के 20 लाख दुर्लभ दस्तावेजों और पुराने जर्जर पृष्ठों का डिजिटलीकरण हुआ है। संग्रहालय की संदर्भ सामग्री का फायदा लेकर 1240 शोधार्थियों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों से पीएचडी एवं डीलिट् की उपाधियां अर्जित की हैं। संग्रहालय में बिजली की बचत के लिये 10 किलोवाट क्षमता क सौर ऊर्जा पैनल भी लगाये गये है। समारोह में सहयोग देने वाली संस्थाओं के साथ शिवकुमार अवस्थी, स्व. सुरेश शर्मा, स्व. शौकत रमूजी के उल्लेखनीय योगदान के लिये उनके परिजनों को सम्मानित किया गया।

कर्मयोगी हैं प्रदेश के कर्मचारी, उनकी कर्तव्य निष्ठा से ही अग्रणी राज्यों में शामिल है हमारा प्रदेश

मुख्यमंत्री का कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिऐ मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने किया अभिनंदन

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आम आदमी के जीवन को सुगम बनाने के लिए सुव्यवस्था स्थापित करना राज्य सरकार का उद्देश्य है। इस मंशा का सफल क्रियान्वयन सरकार के कर्मचारियों पर निर्भर करता है, इस दृष्टि से प्रदेश के कर्मचारी सच्चे कर्म योगी हैं।

कर्मचारियों के परिश्रम और समर्पण से ही जनकल्याण और विकास के पथ पर हमारा प्रदेश अग्रसर है। कर्मचारियों की कर्तव्य निष्ठा से जनहित की योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्य में शामिल हुआ है। प्रदेश के कर्मचारी सरकार और जनता के बीच नल और नील की तरह सेतु बनाने का कार्य कर रहे हैं। डॉ. यादव रवींद्र भवन में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अभिनन्दन समारोह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव द्वारा गत माह लिए गए कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिऐ मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने रविंद्र भवन में उनका अभिनंदन किया। कर्मचारी संघ के सदस्यों ने अंगवस्त्रम भेंट कर डॉ.यादव का तिलक किया। इसके साथ ही उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। कर्मचारी संघ की ओर से मुख्यमंत्री डॉ.यादव को वृहद आकार की मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद मां सरस्वती और पूर्व वरिष्ठ श्रमिक नेता स्व. दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव तथा महामंत्री जितेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कर्मचारी संघ की ओर से कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की मांग स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने केंद्र सरकार का अनुसरण करते हुए प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केंद्र के समान करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही 9 वर्षों से लंबित हाउस रेंट अलाउंस की मांग को भी पूरा किया गया है। इसके साथ ही अधिकारियों- कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुविधा को देखते हुए प्रदेश में स्थानांतरण नीति का क्रियान्वयन किया गया है। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान का वादा किया था। क्रमबद्ध रूप से सभी समस्याओं का निराकरण किया गया है। रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विशेष अभियान संचालित हैं। पुलिस में सभी पद भरे गए हैं। इसके साथ ही सभी जिलों में बैंड की पुलिस बैंड की स्वीकृति प्रदान की गई है। रिक्त हुए पदों को प्रतिवर्ष लोक सेवा आयोग की परीक्षा आयोजित कर भरने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। शासकीय कर्मचारियों की सुविधा के लिए शासकीय आवास की व्यवस्था प्राथमिकता पर की जा रही है। प्रदेश में लोक परिवहन के लिए बस सेवा भी आरंभ होने जा रही है

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यू मार्केट में बने 3000 नवीन आवासों का लोकार्पण कर कर्मचारियों को आवंटित किया गया। यह कर्मचारियों के जीवन को अधिक आरामदायक बनाने का एक प्रयास है। इसी प्रकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बीमा कवर का लाभ देने की स्वीकृति दी गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच अधिकांश देशवासियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्मचारियों की स्वास्थ्य बीमा संबंधी मांग स्वीकृत करने की घोषणा भी की।

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है। राज्य सरकार रोजगार परक उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को भी 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा निर्धारित चारों श्रेणियों, युवा- महिला- किसान- गरीब की बेहतरी के लिए प्रदेश में अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में बिजली, पानी, सड़क और अधोसंरचना की स्थिति कई राज्यों से बेहतर है। मुख्यमंत्री ने अभिनंदन के लिए कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि सरकार और कर्मचारी प्रदेशवासियों के जीवन की बेहतरी के लिए एक टीम की तरह लगातार काम करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री स्व. अनिल माधव दवे की पुण्यतिथि पर नदी का घर पहुंच कर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

स्पेशल खबर जल गंगा संवर्धन जैसे अभियान ही...

कर सकते हैं जल संकट की वैश्विक चिंता का समाधान

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान पर्यावरण और जल संरक्षण, जल संरचनाओं के पुनरुत्थान और सांस्कृतिक चेतना का समवेत संगम बन गया है। मध्यप्रदेश सरकार ने इस अभियान' से जल संकट के समाधान के लिये गंभीर पहल की है। जल संकट देश-प्रदेश ही नहीं पूरी दुनिया की चिंता का विषय है।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए तो यह जीवन-मृत्यु का विषय है। भविष्य की चिंताओं का समाधान आज के अभियान में जल संवर्धन के प्रयासों में निहित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान एक बहुस्तरीय आयोजन है। इसका उद्देश्य राज्य के जल स्रोतों जैसे नदियों, तालाबों, झीलों, बावड़ियों, पुराने कुओं और जलधाराओं को पुनर्जीवित करना और उन्हें सतत रूप से संरक्षित करना है। यह अभियान सरकारी योजना से आगे बढ़कर अब जन आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। श्री देवड़ा ने जल गंगा संवर्धन अभियान में जबलपुर जिले में जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिये संचालित की जा रही गतिविधियों का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने जनपद पंचायत कुंडेश्वर धाम के गुरैया गांव में बने खेत तालाब, कूप रिचार्ज निर्माण और बघराजी गांव में में लैगून पद्धति से जोगी तालाब के विस्तार एवं सुदृढीकरण के कार्य का निरीक्षण किया। श्री देवड़ा ने बघराजी में जन समुदाय को संबोधित करते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में तत्परता से कार्य करने के लिए प्रशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश भर में ताल, तलैया, कुएं एवं बावड़ी सहित विभिन्न जल स्रोतों को संरक्षित करने के साथ ही प्राचीन जलस्रोतों को सूचीबद्ध कर उन्हें पुनर्जीवित किये जाने का पुनीत कार्य हो रहा है। श्री देवड़ा ने कुंडेश्वर धाम के साथ ही हनुमान ताल में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण भी किया। हनुमान ताल के उन्नयन के लिए अमृत योजना के तहत 55 लाख 09 हजार 514 रूपए की लागत से डी-सिल्टिंग, फेंसिंग और एरिएशन के कार्य किए जा रहे हैं।

ताप्ती नदी से निकाली गाद हटाया कचरा, प्लास्टिक काई

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बुरहानपुर में नया खेड़ा गांव के ताप्ती घाट छोटे पुल पर स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित श्रमदान में नेपानगर विधायक सुश्री मंजू दादू, जनपद अध्यक्ष राकेश सोलंकी, जनप्रतिनिधिगण, जिला पंचायत सीईओ सुश्री लता शरणागत, अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान, एसडीएम श्री वाखला, जनपद सीईओ श्रीमती वंदना कैथल, जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमति संतमति खलखो, पंचायत विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका सहित अन्य विभागों के अधिकारीगणों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। श्रमदान करने वालों ने ताप्ती नदी में उतरकर गाद, नदी पुराने कपड़े और प्लास्टिक कचरे को बाहर निकाला। नदी में जमी हरी काई को भी साफ किया गया।

सीहोर में जगाई जन जागरुकता की अलख

अभियान में जल संरक्षण के प्रति नागरिकों और ग्रामवासियों को जागरुक बनाने के लिए अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता जगाने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर-बैनर, रंगोली, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं, शपथ-ग्रहण सहित अनेक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जिले के गांवों में कुओं की मरम्मत, तालाबों का जीर्णोद्धार, डैम्स की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्राम पंचायत जताखेड़ा के खोखरी गांव में जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता जगाने के लिए शिविर आयोजित किया गया।

प्रेरणा भारद्वाज को पुनः मेयर चुने जाने पर मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय मूल की सुश्री प्रेरणा भारद्वाज को बकिंघमशायर(यूनाइटेड किंगडम) काउंसिल में एक बार पुन: मेयर चुने जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि सुश्री भारद्वाज ने अपनी यह उपलब्धि बाबा महाकाल और मां बगलामुखी को समर्पित की है, जो अपनी मातृभूमि से उनके सतत् जुड़ाव के संस्कार का प्रेरणादायक प्रमाण है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 43/आर-3 स्नेह नगर रोड, गोपालगंज सागर (म.प्र.) - 470001 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन -1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक : डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक : अपूर्व तिवारी। *
भोपाल कार्यालय फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. MPHIN/2015/61503, www.naiduniaonline.com